राज्य स्मार्ट सिटी मिशन योजना का कार्यकाल बढ़ा

राज्य, जागरण ● लखनऊ: प्रदेश सरकार ने राज्य स्मार्ट सिटी मिशन योजना का कार्यकाल दो वर्ष के लिए और बढ़ा दिया है। राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के तहत प्रदेश के सात नगर निगमों में यह योजना चल रही है। कैबिनेट की बैठक में नगर विकास विभाग के इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने पत्रकारों को बताया कि स्मार्ट सिटी मिशन योजना प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों में लागू है। केंद्र सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत 10 नगर निगमों का चयन किया था जबकि शेष बचे सात नगर निगमों को प्रदेश सरकार अपने बजट से स्मार्ट बना रही है। राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के तहत गाजियाबाद, मेरठ, फिरोजाबाद, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन, शाहजहांपुर और गोरखपुर का विकास किया जा रहा है। मिशन का पांच वर्ष का कार्यकाल 31 मार्च 2025 को समाप्त हो रहा था। अब सरकार ने इसे दो वर्ष के लिए और बढ़ा दिया है। इससे शहरी विकास को गति मिलेगी। अब राज्य मिशन वित्तीय वर्ष 2026-27 तक संचालित होगा। ऐसे में स्मार्ट सिटी मिशन के कार्य अब 31 मार्च 2027 कर पूरे किए जा सकेंगे।

इस वित्तीय वर्ष के अंत में समाप्त हो रहा था सात नगर निगमों में मिशन का पांच वर्ष का कार्यकाल

400 करोड़ रुपये से हो रहा कार्य

वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सात शहरों के विकास के लिए 400 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है, जिसमें प्रत्येक स्मार्ट सिटी को 50 करोड़ रुपये की धनराशि इस वर्ष उपलब्ध करायी गई है। नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि राज्य स्मार्ट सिटी योजना की समयावधि विस्तार से हमें विकास परियोजनाओं को पूरा करने और नए विकास कार्यों को शुरू करने का अवसर मिलेगा। हम योजनांतर्गत प्रत्येक वर्ष प्राविधानित बजट के सापेक्ष वास्तविक व्यय के आधार पर अधिकतम 1.5 प्रतिशत एएंडओई की व्यवस्था करेंगे। इससे मिशन निदेशालय स्तर पर पीएमयू की स्थापना भी की जाएगी। हमारा लक्ष्य पर्याप्त जलापूर्ति, सुनिश्चित विद्युत आपूर्ति, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सहित सफाई, सक्षम शहरी गतिशीलता और सार्वजनिक परिवहन, सक्षम आइटी कनेक्टिविटी और डिजिटलाइजेशन, सुशासन, ई-गवर्नेंस और नागरिक भागीदारी, स्वच्छ पर्यावरण, महिलाओं, बच्चों और वृद्ध नागरिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत अवसंरचनाओं का विकास करना है।

यह और उप्र की अन्य खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें